

એપિલેપ્સી માં નવું

sanofi

એપિલેપ્સી દરમિયાન વ્યક્તિની હિલચાલ અટકાવવાનો પ્રચાસ કરશો નહીં<sup>3</sup>

તેમનું શરીર ખૂજવાનું બંધ કરી દે પછી, તેમને બાજુ પર ફેરવો. તેમ છતાં, આંચકી વખતે તેમના મોઢામાં ઝોરાક અથવા પ્રવાહી હોય, તો તેમને તરત જ તેને બાજુમાં મૂકો.<sup>4,7</sup>

જ્યાં સુધી દર્દી સાજો ન થાય ત્યાં સુધી તેમની સાથે રહો અને શાંતિથી તેમની સાથે વાત કરો<sup>7</sup>  


જો શક્ય હોય તો, એપિલેપ્સી કચ્ચારે શરીર થઈ અને કચ્ચારે સમાપ્ત થઈ તે સમયની નોંધ લો<sup>7</sup>

જો તેઓ હુમલા પછી સૂર્ય જાય, તો તેમને ખલેલ પહોંચાડશો નહીં; જો કે, તેમના શાસ પર નજર રાખો.<sup>8</sup>  


## હકીકત



70 ટકા લોકો એપિલેપ્સી રોકતી  
 દવાઓના ચોગચ ઉપયોગથી  
 એપિલેપ્સી-મુક્ત બની શકે છે.

## Reference

1. Epilepsy [Internet] [Updated Feb 9, 2022]. Available at: <https://www.who.int/news-room/fact-sheets/detail/epilepsy>. Accessed on 20 Oct 2022.
2. Trinka E, Kwan P, Lee B, Dash A. Epilepsy in Asia: Disease burden, management barriers, and challenges. *Epilepsia*. 2019 Mar;60 Suppl 1:7-21.
3. Evaluation of a first-time seizure [Internet]. Available at: <https://www.hopkinsmedicine.org/health/conditions-and-diseases/epilepsy/evaluation-of-a-firsttime-seizure>. Accessed on 13 Feb 2023.
4. Seizures [Internet]. Available at: <https://www.healthdirect.gov.au/seizures#how-to-help>. Accessed on 13 Feb 2023.
5. Epilepsy in Children. Available at: <https://medlineplus.gov/ency/article/007681.htm>. Accessed on 13 Feb 2023.
6. Seizures. Available at: <https://kidshealth.org/en/parents/seizure.html>. Accessed on 12 Jan 2023.
7. What to do if someone has a seizure (fit) [Internet]. Available at: <https://www.nhs.uk/conditions/what-to-do-if-someone-has-a-seizure-fit/#:~:text=Support%20them%20gently%20and%20cushion,until%20they%20have%20fully%20recovered>. Accessed on 13 Feb 2023.
8. General first aid for seizures [Internet]. Available at: <https://www.epilepsy.com/recognition/seizure-first-aid>. Accessed on Feb 13, 2023.

MAT-IN-2301336-V1.0-06/2023

## વैश्विक स्तरे ६२ वर्ष ५ मिलियन लोकोने एपिलेप्सीनुं निदान थाय छ.<sup>1</sup>



भारतमां ६२ वर्ष **1,00,000**  
मां लगभग **60 लोकोने**  
एपिलेप्सीनुं निदान  
थाय छ



तमे केवी रीते ओगाखी शको छो के तमारा परिवारमां कोईने  
एपिलेप्सी छे अथवा झीट छे?

- एपिलेप्सी ६२मियान, तमे जोई शको छो के ते व्यक्तिए तेनी प्रवृत्ति पर ध्यान केन्द्रित करवानुं बंध करी दीधुं होई शके छे अने ते ताकी रही छे, झडपथी झबकी रही छे, अथवा मूँजवाणमां हे खाई रही छे<sup>3,4</sup>
- तेआ० अचानक पडी शके छे<sup>3</sup>
- तेमना हाथ अथवा पग सतत धूजता रहे छे<sup>3</sup>
- तेमनुं शरीर अक्कड होय छे<sup>3</sup>
- तेआ० पेशाब करवा अथवा स्टूल पसार करवा परनो काबू गुमावी शके छे<sup>3</sup>
- तमे तेमने पूछो छो ते कोईपण वस्तुनो तेआ० प्रतिसाद आपी शक्षे नहीं<sup>3</sup>
- तेमना मोमांथी वधु पडती लाग बहार आवी शके छे<sup>4</sup>
- तेआ० पुनरावर्तित हलनयलन करी शके छे, जेम के चाववानुं<sup>4</sup>
- तेआ० सतत माथुं छलावी पण शके छे, त्यारबाट सभानता  
अथवा येतना गुमावी शके छे<sup>2</sup>

- केटलाकने श्वास लेवामां तकलीफ पण थई शके छे, अने तेमना होइ जल्दु रंगना थई शके छे<sup>3</sup>
- तदुपरांत, एपिलेप्सी एटले के आवे ते पडेलां, केटलाकने विचित्र संवेदनाओ होई शके छे, जेम के झांझणाठी अथवा त्यां न होय तेवी कोई वस्तुनी गंध लेवी. तेआ० अस्वस्थता अथवा नर्वस पण अनुभवी शके छे.<sup>3,5</sup>

एपिलेप्सीना हुमला पछी, व्यक्तिने मूँजवाण,  
थाक, निंद्रा, तरस लागी शके छे, अथवा  
माथानो दु खावो थई शके छे.



तमे तमारा घरमां जोईने प्रथम व्यक्त एपिलेप्सी एटले  
के आवे ते जोई तमे बेचेन थई शको छो. जो के,आवा  
समयमां, तमारे शांत रहेवुं जोईअे अने तेमने मद्द  
करवा माटे आ सरળ बाबतो करवी जोईअे:



जो तेआ० जमीन पर पडेला होय, तो तेमना माथानी नीचे कंटीक नरम वस्तु मूँडो<sup>7</sup>

जो व्यक्ति व्हीलचेरमां बेकी होय, तो ब्रेक्स अने सीटबेल्ट लगावो अने तेना माथा  
नीचे तकियो मुँडो. तेम छतां, तेमने खसेडवानो प्रचास करशो नहीं.<sup>7</sup>



ईज थती रोकवा माटे नज्जनी वस्तुओ दूर करो<sup>8</sup>



गणानी आसपास कोई गाईट कपडां होय, जेम के कोलर बठन के गाई होय तो तेने हटावी  
दो. आ दौनो श्वास लेवामां मद्द करशे.<sup>7</sup>



ज्यां सुधी तेआ० संपूर्णपणे साज न थई जाय त्यां सुधी तेमना मोढामां पाणी, खोराक अथवा  
दवाओ जेवी कोई पण वस्तु मूँडशो नहीं. आनुं कारण ए छे के खोराक, पाणी अथवा  
दवाओ माउन्टने बदले तेमना फैक्सांमां जई शके छे, जेना कारणो गूँगणामण थाय छे.<sup>7,8</sup>



आतरी करो के तेआ० योग्य रीते श्वास लई रखा छे<sup>8</sup>